भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

07.08.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2638 का उत्तर

रेल सेवाओं में एआई

2638. श्री केसिनेनी शिवनाथ:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार रेल सेवाओं की दक्षता में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कर रही है;

(ख) यदि हां, तो उपयोग की जा रही प्रौद्योगिकी का ब्यौरा क्या है और इससे कार्यकुशलता में किस प्रकार सुधार हुआ है;

(ग) यदि नहीं, तो क्या सरकार की रेल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अपनाने की कोई योजना है;

(घ) यदि हां, तो रेल प्रणाली में एआई के कार्यान्वयन की समय-सीमा का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल ने रेल सेवाओं की कार्यकुशलता में सुधार लाने के लिए कृत्रिम मेधा का उपयोग किया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल) एल्गोरिदम, नेचुरल लैंग्वेज ट्रांसलेशन (एनएलटी) और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) मॉडलों में टिकट बुकिंग, पीएनआर स्टेटस जांचने, रेलगाड़ी की समय-सारणी का पता लगाने और 'रेल

मदद' में शिकायत प्रबंधन आदि जैसे नियमित कार्य ऑटोमैटेड है। रेलवे आईटी एप्लिकेशनों का विकास करने के लिए सॉफ्टवेयर कोडिंग की सहायता से जनरेटिव एआई प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाता है। कृत्रिम मेधा की शुरूआत ने रेल संबंधी प्रक्रियाओं में तीव्रता प्रदान की है, मानवीय प्रयासों को कम और प्रतिक्रिया समय में सुधार किया है।

*****